मॉडल प्रश्न-पत्र प्रारूप परीक्षा वर्ष 2020 हेतु
वर्ग- दशम
विषय- हिन्दी 'ए'

समय -3 घंटे पूर्णांक -80

सेट - I

सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपनी ही भाषा - शैली में उत्तर दें।
2. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड है। यथा - क,ख,ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने उपांत में अंकित है।
4. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के आलोक में ही लिखें।
5. 1 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 4 एवं 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में तथा 10 अंक के प्रश्न के उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में लिखे।

खण्ड - क (अपठित गद्यांश एवं काव्यांश 15 अंक)

I **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

जगत और प्रकृति के साथ हमारा जीवंत संबंध है, हम चेतन हैं और प्रकृति नितान्त जड़, ऐसी भ्रान्ति हमें नहीं पालनी चाहिए। प्रकृति अत्यंत अंतरंग भाव से मनुष्य के जीवन, उसकी चिन्ताओं व कार्यो से जुड़ी हुई है। मनुष्य जो भी पाता है, अपने पर्यावरण से ही प्राप्त करता है, लेकिन अब हम धरती की संताने न रहकर लुटेरे बन गए हैं। ई0एफ0 शूमाकर ने **'स्मॉल इज ब्युटीफुल'** पुस्तक में यह स्थापना की है कि धरती की कोख से उत्खनन के जरिये हम अपने लिये किस प्रकार संसाधन प्राप्त कर उसकी खपत करते जा रहे हैं। यह ऐसा ही है जैसे कोई अपनी पूँजी ही बेचकर खाता जाए। जो कुछ भी है सब खा-पीकर एक खोखली और उजाड़ पृथ्वी हम आनेवाली नस्लों के लिये छोड़े जा रहे हैं। यदि हमने अपनी जीवन-शैली और ऐश्वर्य-भोग की लालसा नहीं छोड़ी, तो यह पृथ्वी भी जीवन के चिन्हों से रिक्त हो जाएगी। यह विचित्र विडम्बना है कि आज के वैज्ञानिक युग का ज्ञान-सम्पन्न मनुष्य जिस डाल पर बैठा है, उसे ही काट रहा है। सुख-भोग में वह ऐसा अंधा हो चला है कि सामने खड़े भविष्य को देखकर भी जैसे नहीं देखता और अपने संपूर्ण विनाश की तैयारी करता जाता है।

प्रश्न (क) जगत और प्रकृति के साथ हमारा कैसा संबंध है? 2
(ख) प्रकृति के अन्तरंग भाव का क्या तात्पर्य है? 2
(ग) आज किस प्रकार मनुष्य अपने संपूर्ण विनाश की तैयारी कर रहा हैं? 2
(घ) ई0 एफ0 शूमाकर की पुस्तक का नाम है? 2
(ङ) हम आनेवाली नस्लों के लिये क्या छोड़ रहे हैं? 1

प्रश्न 2 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
पथ में काँटे तो होंगे ही,
दूर्वादल–सरिता, सर होंगे।
सुन्दर गिरि–वन–वापी होंगी,
सुन्दर–सुन्दर निर्झर होंगे।
सुंदरता की मृग–तृष्णा में,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।
जब जीवन कठिन कर्म–पगडंडी पर,
राही का मन उन्मुख होगा।
जब सपने सब मिट जाएँगे,
कर्तव्य–मार्ग सम्मुख होगा।
तब अपनी प्रथम विफलता में,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।
अपने भी विमुख–पराए बन,
आँखों के सम्मुख आएँगे।
पग–पग पर घोर निराशा के,
काले बादल छा जाएँगे।
तब अपने एकाकीपन में,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।
रणभेरी सुन, कह विदा, विदा,
जब सैनिक पुलक रहे होंगे।
हाथों में कुंकुम थाल लिए,
कुछ जलकण ढुलक रहे होंगे।
तब कर्त्तव्य–प्रेम की उलझन में,
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।।

प्रश्न (क) किन–किन स्थितियों में पथिक के पथ भूलने की आशंका है? 2
(ख) राही एकाकीपन का अनुभव कब करता है? 2
(ग) कवि किस पथ को न भूलने की बात कर रहे हैं ? 1
(घ) यहाँ 'पथिक' किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है? 1
(ङ) कवि ने 'काँटे' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है? 1

खण्ड – ख (व्यावहारिक व्याकरण : 15 अंक)

प्रश्न 3 शब्द और पद में क्या अन्तर है? लिखें। 2
(क) अध्यापक कविता पढ़ा रहे हैं। (क्रिया के भेद का नाम लिखिए) 1
(ख) वह लगातार हँस रहा है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए) 1
(ग) किसान खेती कर रहा है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए) 1

प्रश्न 4 **रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए :**
(क) बालक चाँद की .... देख रहा है। 1
(ख) दिन .... ढल रहा था। 1
(ग) वहाँ पर .... बैठना चाहिए। 1
(घ) .... । आज वर्षा होती। 1

प्रश्न 5 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :**

(क) सरल वाक्य का सोदाहरण परिचय दीजिए। 1

(ख) जो व्यक्ति परिश्रम करता है, वह अवश्य सफल होता है। 1
(यह कौन वाक्य है?)

(ग) मुझसे चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलें) 1

(घ) पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं। (कर्मवाच्य में बदलें) 1

प्रश्न 6 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :**

(क) 'देशभक्त' का समास विग्रह करें। 1

(ख) 'पंकज' कौन समास है? 1

(ग) अव्ययीभाव समाज का एक उदाहरण दें। 1

(घ) 'पत्र' के दो भिन्न अर्थ लिखिए। 1

खण्ड – ग (पाठ्य पुस्तकें ꣳ0 अंक)

प्रश्न 7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे–चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लंबी दाढ़ी या जटा तो नहीं रखते थे, किन्तु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिलकुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी–मात्र और सिर में कबीर–पंथियों की–सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चन्दन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते।

(क) बालगोबिन भगत का व्यक्तित्व कैसा था? 2

(ख) बालगोबिन भगत की वेशभूषा कैसी थी? 2

(ग) बालगोबिन भगत गले में क्या पहनते थे? 1

अथवा

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक–मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फॉकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होंठों तक ले गए। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनन्द में पलकें मुँद गई। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उत्तर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(क) नवाब साहब ने खीरे की फाँकों को किस प्रकार देखा? 2

(ख) नवाब साहब ने खीरे का रसास्वादन किस प्रकार किया? 2

(ग) 'सतृष्ण आँखों से' का क्या आशय है? 1

प्रश्न 8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2x4=8

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) फादर बुल्के भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग हैं, किस

आधार पर ऐसा कहा गया है ?

(ग) लेखिका (मन्नू भंडारी) के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा ?

(घ) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

प्रश्न 9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहिं सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहार समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।

(क) क्रोधपरशुराम को श्रीराम ने क्या कहकर समझाने का प्रयास किया ? 2

(ख) इस पद्यांश के आधार पर परशुराम के स्वभाव का वर्णन कीजिए। परशुराम ने राम को क्या उत्तर दिया। 2

(ग) यह पद्यांश किस भाषा में वर्णित है ? 1

अथवा

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात....
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण।

(क) दंतुरित मुसकान किसे कहा गया है ? 2

(ख) बच्चे की मुसकान मृतक में भी जान कैसे डाल देती है ? 2

(ग) झोपड़ी में कमल खिलने का क्या आशय है ? 1

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 2x4=8

(क) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस–किस से की गयी है ?

(ख) कवि 'निराला' ने बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए क्यों कहा है ?

(ग) 'मृगतृष्णा' किसे कहते है। कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?

(घ) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी ?

प्रश्न 11 सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिन्ता या बदहवासी दिखाई देती है, वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है ? 4

अथवा

'साना साना हाथ जोड़ि ....' यात्रा–वृत्तान्त में लेखिका ने हिमालय के जिन–जिन रूपों का चित्र खींचा है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड – घ (रचना लेखन 20 अंक)

प्रश्न 12 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखें : 10

(क) मेरा भारत महान :

(संकेत बिन्दु– भूमिका, श्रेष्ठ सभ्यता एवं संस्कृति, प्रकृतिक सुन्दरता, अनेकता में एकता, चुनौतियाँ, उपसंहार)

(ख) स्वास्थ्य ही जीवन है :

(संकेत बिन्दु – अच्छे स्वास्थ्य का अर्थ, स्वास्थ्य ही जीवन किस प्रकार, अच्छे स्वास्थ्य के कारक, उपसंहार)

(ग) विज्ञान के चमत्कार :

(संकेत बिन्दु – भूमिका, विज्ञान की देन सर्वतोमुखी, विज्ञान विध्वंसक रूप में, उपसंहार)

प्रश्न 13 चार दिनों की छुट्टी के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एक आवेदन पत्र लिखें – 5

अथवा

पेयजल की नियमित आपूर्ति हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को एक अनुरोध पत्र लिखिए।

प्रश्न 14 अपने पुराने मकान को बेचने हेतु लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

अथवा

‘सौम्या शैम्पू’ की बिक्री हेतु एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।